राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 9237 डिग्रियां बांटी

15वां दीक्षांत समारोह भव्य रुप से हुआ, 1 कुलाधिपति एवं 1 कुलपति स्वर्ण पदक सहित कुल 29 स्वर्ण पदक तथा 34 पीएचडी डिग्रियों का हुआ वितरण

कोटा, (निसं)। 11 मार्च, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय का पन्द्रहवां दीक्षांत समारोह कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर बीपी सारस्वत के मुख्य आतिथ्य एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. पीसी पंचारिया निदेशक, सीएसआईआर-केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान पिलानी की उपस्थिति में बुधवार को राज्य कृषि प्रबंन्ध संस्थान के ऑडिटोरियम कोटा में संपन्न हुआ। सह जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राङ्गौड़ ने बताया कि इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. निमित चौधरी और अतिथियों ने उपस्थित विद्यार्थियों को पन्द्रहवें दीक्षांत समारोह में उपाधियों का वितरण किया। इसी दिन शाम को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट द्वारा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के कुलगुरु प्रोफेसर राकेश सिंघई की अध्यक्षता में यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट की उपाधियों का वितरण किया गया। समारोह में वीएमओयू कुलगुरु प्रो. बीएल वर्मा, बीटीयू पूर्व कुलगुरु प्रो. एचडी चारण, कुलसचिव भावना शर्मा, वित्त नियंत्रक बाबूलाल मीणा, सहित राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के प्रबन्ध मण्डल एवं विद्या परिषद के सदस्यगण, विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ङ्गाता, विभागाध्यक्ष, विभिन्न संबद्ध महाविद्यालयों के चेयरमैन-निदेशक, प्राचार्य, विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी, संकाय सदस्य, शिक्षक, विभिन्न शिक्षाविद, विद्यार्थी व उनके अभिभावक, प्रशासनिक अधिकारी, गणमान्य नागरिक, मीडिया प्रतिनिधि एवं आमंत्रित विशिष्ट अतिथिगण उपस्थित रहे। कुलसचिव भावना शर्मा द्वारा दीक्षांत समारोह की समाप्ति पर धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ. पीसी पंचारिया निदेशक, सीएसआईआर, केन्द्रीय इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, पिलानी ने दीक्षांत भाषण प्रदान करते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी की डिग्री केवल एक व्यक्तिगत सफलता नहीं है। यह देश के लिए जरूरी है। अब से, आप दुनिया में तरक्की और लीडरशिप की ओर भारत के सफर का हिस्सा हैं। भारत इतिहास में एक अहम मोड़ पर है। जैसे-जैसे हम 2047, अपनी आजादी के 100वें साल की ओर बढ़ रहे हैं, हमारा लक्ष्य एक विकसित भारत बनाना है। यह लक्ष्य ज्ञान, टेक्नोलॉजी, सबको साथ लेकर चलने और सस्टेनेबिलिटी पर आधारित है।

कोटा राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय का पन्द्रहवां दीक्षांत समारोह कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर बीपी सारस्वत के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

- **विद्यार्थी भविष्य निर्माता, अर्जित ज्ञान का उपयोग समाज के कल्याण के लिए करें : प्रो. बीपी सारस्वत, कुलगुरु**

विजन 2047 एक नेशनल मिशन है जिसे हमारे युवाओं, इंस्टीट्यूशन और थिंकर की मदद की जरूरत है। मुख्य अतिथि कोटा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर बीपी सारस्वत ने कहा कि उपाधि प्राप्त करना विद्यार्थी के जीवन का एक महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण अवसर है। डिग्री विद्यार्थी के लंबे शैक्षणिक सफर का उत्सव है जिसमें विद्यार्थियों ने कङ्गिन परिश्रम अनुशासन समर्पण के साथ अपने सपनों को साकार किया है। सभी ने अपनी प्रतिभा मेहनत और लगन से यह सिद्ध किया है कि निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। डिग्री प्राप्त करने साथ ही अपने ज्ञान, कौशल और संस्कारों के बल पर समाज एवं राष्ट्र के विकास में योगदान देने की जिम्मेदारी स्वीकार करने का भी दिन है।

रंजिश के चलते नाबालिग पर चाकू से हमला कर हत्या

- **पुलिस जांच में जुटी**
- **सोशल मिडिया पर रील बनाने को लेकर फेमस था नाबालिग**

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में मंगलवार देर रात रंजिश के चलते नाबालिग की हत्या का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार नाबालिग बाईक से शादी समारोह से लौट कर घर जा रहा था, थाना इलाके में पुरानी रंजिश को लेकर कुछ बदमाशों ने उसे रोका और मारपीट शुरू कर दी। उस पर धारदार हथियार, लोहे के सरिये व डंडे से भी हमला किया गया, इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

काफी देर मारपीट करने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। हमले में घायल नाबालिग 17 वर्षीय किशोर को गंभीर घायलावस्था में अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। वही घटना को लेकर समाज के लोगो में आक्रोश दिखा, हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बुधवार को समाज के लोगों ने एमबीएस पोस्टमार्टम रूम के बाहर विरोध दर्ज कराया। समाज के लोगों का कहना था कि हमलावरों की जल्द गिरफ्तारी होनी चाहिऐं, समाज के लोगों का कहना है कि उसकी हत्या केवल रील बनाने की ईर्ष्या को लेकर ही हुई हैं, वह रील बनाने को लेकर फेमस था और उसी से कुछ लड़के ईर्ष्या रखते थे। वहीं मंगलवार देर रात्रि को घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के आलाअधिकारी सहित उद्योग नगर थानाधिकारी भी टीम लेकर मौके पर पहुंचे और मौके पर अधिकारियों ने पूरे घटनाक्रम का जायजा लिया है, इसके साथ ही एमओबी और डॉग स्क्वॉड को बुलाकर साक्ष्य भी एकत्रित किए गये है। मृतक के पिता ने बताया कि उसका इकलौता बेटा था, वह दोस्तों के साथ शादी में गया था, मंगलवार देर शाम को फोन पर जब उससे बात हुई तो उसने कहा कि गढ़ेपान तक आ गया हुं और जल्दी घर पहुंच जाऊंगा, देर रात्रि को उनको घटना की सूचना मिली। उद्योग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि मंगलवार रात्रि को चौथ माता मंदिर के पास झगड़े व चाकूबाजी की सूचना मिली, सूचना पर टीम लेकर मौके पर पहुंचे। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में सामने आया कि पुरानी रंजिश के चलते दो-तीन बदमाशों ने 17 वर्षीय किशोर पर चाकू से हमला कर दिया, हमले में किशोर की मौत हो गई, मामले में सामने आया कि मृतक सोशल मिडिया पर रील बनाने को लेकर फैमेस था उस बिन्दु पर भी जांच की जा रही है, मृतक की पहचान प्रेम नगर थर्ड जागा बस्ती निवासी 17 साल के नाबालिग के रूप में हुई है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, रिपोर्ट में दो हमलावर राज बच्चा और विशाल का नामजद हैं, हमलावरों की तलाश के लिये टीमे लगी हुई है।

पुरस्कार

बूंदी। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में उमंग संस्थान की अध्यक्ष एवं सह आचार्य डॉ. सविता राठौर को व्यक्तिगत श्रेणी के जिला स्तरीय प्रतिष्ठित पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें बूंदी जिले में महिला एवं बालिका सशक्तिकरण, उनकी पहचान निर्माण, महिलाओं की समस्याओं पर शोध कार्य के लिए दियाप्रदान किया गया।

लंबे समय से ड्यूटी से नदारद कनिष्ठ सहायक निष्कासित

- **जिला कलक्टर ने जारी किए आदेश**

उदयपुर, । जिला कलक्टर नमित मेहता ने राजकीय कार्य के प्रति घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता और बिना पूर्व सूचना के लंबे समय तक अनुपस्थित रहने के मामले मेंसरा तहसील कार्यालय के तत्कालीन कनिष्ठ सहायक अल्पेश लट्टा को राजकीय सेवा से निष्कासित (रिमूव फ्रॉम सर्विस) करने के आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार तहसील कार्यालय सराड़ा में पदस्थापित रहे कनिष्ठ सहायक अल्पेश लट्टा बिना किसी सूचना या स्वीकृत अवकाश के दो चरणों में लगभग 596 दिनों तक अनुपस्थित रहे। प्रथम चरण में 21 जनवरी 2021 से 03 अक्टूबर 2021 तक तथा द्वितीय चरण में 4 फरवरी 2022 और 14 फरवरी 2022 से लगातार। विभाग द्वारा जारी नोटिस और आरोप पत्र के जवाब में कर्मचारी ने अपनी माता की बीमारी और स्वयं के माइग्रेन से पीड़ित होने का हवाला दिया था। हालांकि, जांच अधिकारी (उपखण्ड अधिकारी, खेरवाड़ा की रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि कर्मचारी ने बीमारी के संबंध में कोई ठोस मेडिकल दस्तावेज या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए। दस्तावेजों के अवलोकन से यह भी सामने आया कि कार्मिक अपनी प्रथम नियुक्ति (वर्ष 2013) से ही अपनी मर्जी से अनुपस्थित रहने का आदी रहा हैं। इससे पूर्व भी वह अपने परिवीक्षाकाल के दौरान विभिन्न अवसरों पर कुल 1029 दिनों तक बिना अनुमति के अनुपस्थित रहा था। जिसके लिए उनके विरुद्ध पहले भी सीसीए नियम-16 के तहत कार्यवाही की गई थी।

जिला कलेक्टर ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि कार्मिक का यह कृत्य गंभीर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है, जिससे कार्यालय की कार्यशैली प्रभावित होती है। राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम-14 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्हें सेवा से निष्कासित कर दिया गया है। साथ ही, अनुपस्थिति अवधि का कोई वेतन या भत्ता देय नहीं होगा ।

एपीओ विकास अधिकारी की कार से डेढ़ लाख रूपये जब्त, जांच में जुटी टीम

- **पूछताछ के दौरान अधिकारी ने रकम के बारे में कोई संतोषपद् जबाव नही दिया, जिस पर एसीबी टीम ने कार्यवाही करते हुए रकम को जब्त किया**

कोटा । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा टीम ने हैगिंग ब्रिज के पास भीलवाड़ा जिले के एपीओ विकास अधिकारी रामविलास मीणा की कार से आकस्मिक चैकिंग करते हुए संदिग्ध राशि 1,55,275 रूपये बारामद की। पूछताछ के दौरान अधिकारी ने रकम के बारे में कोई संतोषपद् जबाव नही दिया, जिस पर एसीबी टीम ने कार्यवाही करते हुए रकम को जप्त किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा के एडिशनल एसपी विजय स्वर्णकार ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कोटा चौकी को मुखबीर सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि विकास अधिकारी, पचायंत समिति, कोटड़ी, जिला भीलवाड़ा, रामविलास मीणा को पदस्थापन की प्रतीक्षा (एपीओ) किये जाने के पश्चात् भी उसके द्वारा पिछली दिनांक में बिल पास कर अवैध राशि ठेकेदार आदि से प्राप्त कर कार से कोटड़ी, भीलवाड़ा से रवाना होकर कोटा आ रहा है। उक्त सूचना पर 10 मार्च को पुलिस उप अधीक्षक एसीबी अनीश अहमद के नेतृत्व में कोटा-चितौड़गढ़ मार्ग हैगिंग ब्रिज के पास कार को रूकवाया गया, कार में रामविलास मीणा बैठा हुआ था। कार में तलाशी के दौरान कार से 1 लाख 55 हजार 275 रूपये बरामद हुए जिनके बारे में रामविलास मीणा से पूछताछ की गई, लेकिन कोई संतोषप्रद जबाव नही मिलने पर अवैध राशि को जब्त किया गया।

उदयपुर सीएमएचओ बामणिया पर भ्रष्टाचार के मामले में गिर सकती है गाज

- **टेंडरों मे अनियमित्ता और पद के दुरूपयोग के आरोपों की जांच करेगी एसीबी**
- **राज्य सरकार ने दी मंजूरी**

उदयपुर,(कासं)। उदयपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शंकरलाल बामणिया की मुश्किलें बढ गई हैं। राज्य सरकार ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जांच शुरू करने की हरी झंडी दे दी है। इस संबंध में शासन संयुक्त सचिव निशा मीणा ने आदेश जारी कर दिए हैं।अब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इस पूरे मामले में डॉ.बामणिया के खिलाफ विस्तृत जांच और कानूनी कार्रवाई को आगे बढ ाएगी। उदयपुर के चिकित्सा विभाग में भी इस खबर के बाद हडकंप मचा हुआ है क्योंकि डॉ. बामणिया एक जिम्मेदार पद पर तैनात हैं और उन पर भ्रष्टाचार के आरोपों ने विभाग की छवि पर भी सवाल खडे किए हैं।

आपको बतादें कि उदयपुर में फिलहाल दो सीएमएचओ कार्यरत है। डॉ अशोक आदित्य और डॉ शंकर बामणिया। विभागीय सभी पावर डॉ अशोक के पास हैं। बामणिया राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश पर अपने पद पर लगे हुए है।जानकारी के अनुसार डॉ. शंकरलाल बामणिया के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतें मिलने के बाद एसीबी ने सरकार से अभियोजन स्वीकृति मांगी थी । भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 17.ए के तहत किसी भी लोक सेवक के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले विभाग के सक्षम अधिकारी की अनुमति अनिवार्य होती है।इसी प्रक्रिया के तहत शासन सचिवालय के कार्मिक विभाग ने फाइल का रिव्यू किया और फिर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को कार्वाई के लिए पत्र भेजा।

मंत्री से मंजूरी के बाद अभियोजन स्वीकृति आदेश जारी हुए है।डॉ. बामणिया के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए विभागीय मंत्री से पूर्वानुमोदन प्राप्त कर लिया गया है। शासन संयुक्त सचिव निशा मीणा की ओर से जारी पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि डॉ. शंकरलाल बामणिया के विरुद्ध प्राप्त जांच रिपोर्ट और आरोप.पत्रों के आधार पर एसीबी को अग्रिम कार्वाई हेतु अनुमति दी जाए। इस आदेश की कॉपी महानिदेशक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को भी भेज दी गई है ताकि एसीबी तुरंत अपना काम शुरू कर सकें।

एसीबी के डीआईजी (प्रथम) डॉ. रामेश्वर सिंह ने इस मामले में पहल की थी। एसीबी के पास डॉ. बामणिया के खिलाफ पद के दुरूपयोग,टेंडरों मे अनियमित्ता आदि की शिकायत आई थी, जिसका शुरुआती परीक्षण करने पर उसे श्विस्तृत जांचश् के बाद कार्यवाही योग्य पाया गया। एसीबी ने सरकार को पत्र लिखकर बताया था कि लोक सेवक द्वारा अपने शासकीय कर्तव्यों के निर्वहन में की गई गडबडयों की जांच के लिए 17.ए की अनुमति जरूरी है। नियम के मुताबिक सक्षम प्राधिकारी को 3 महीने के भीतर इस पर निर्णय लेना होता है।

न्यायलय के आदेश से सीएमएचओ की कुर्सी पर जमे हुए डॉ. बामणिया के खिलाफ नियम 13 के तहत कार्यवाही करेगी या फिर उनकी संपत्तियों और उनके कार्यकाल के रिकॉर्ड को खंगालना शुरू करेगी।इस पूरे केस में उनकी गिरफ्तारी भी संभव है।

टेलीग्राम के जरिए इन्वेस्टमेंट का झांसा

अजमेर । शहर में साइबर ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसी क्रम में पुलिस लाइन निवासी एक युवक से टेलीग्राम के माध्यम से इन्वेस्टमेंट के नाम पर लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने इस संबंध में साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार पुलिस लाइन निवासी शुभम ने शिकायत देकर बताया कि उसके मोबाइल फोन पर टेलीग्राम के माध्यम से एक मैसेज प्राप्त हुआ। मैसेज में एक कंपनी द्वारा इन्वेस्टमेंट करने पर कम समय में अधिक मुनाफा देने का दावा किया गया था। आरोपी पक्ष ने उसे भरोसा दिलाया कि निवेश करने पर उसे अच्छा रिटर्न मिलेगा। शुभम आरोपियों की बातों में आ गया और दिए गए निर्देशों के अनुसार अलग-अलग चरणों में कुल 5 लाख 66 हजार रुपए उक्त कंपनी में निवेश कर दिए। शुरुआत में उसे मुनाफे का आश्वासन दिया जाता रहा, लेकिन बाद में न तो उसे कोई लाभ मिला और न ही उसकी निवेश की गई राशि वापस की गई। जब युवक ने कंपनी से संपर्क करने का प्रयास किया तो उसे कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसे एहसास हुआ कि उसके साथ साइबर ठगी की गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए शुभम ने साइबर थाने पहुंचकर पूरी घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। साइबर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

अजमेर में रोड हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत

- **शहर में देर रात से अलसुबह तक बेखौफ दौड़ते हैं अवैध बजरी के डंपर, पुलिस ने शुरू की जांच**

अजमेर (कासं)। शहर में अवैध बजरी परिवहन के कारण एक और दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। अलसुबह करीब चार बजे अजमेर की ज्ञान विहार कॉलोनी के सामने तेज रफ्तार डंपर ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैक्टर के परखच्चे उड़ गए और ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान नदी गांव निवासी विशाल के रूप में हुई है, जो अजमेर में ट्रैक्टर चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। मृतक के भाई बनवारी ने बताया कि विशाल आज अलसुबह करीब चार बजे ट्रैक्टर से मलबा डालकर वापस लौट रहा था।

इसी दौरान बजरी से भरा एक डंपर गलत दिशा से तेज गति और लापरवाही से आया और ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और विशाल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और डंपर चालक की तलाश की जा रही है। शहर में अवैध बजरी परिवहन करने वाले डंपरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। देर रात से लेकर अलसुबह तक ये डंपर शहर की सड़कों पर बेखौफ दौड़ते हैं, जिससे आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार पुलिस या खनन विभाग की टीम इन डंपरों का पीछा भी करती है, लेकिन इन्हें एस्कॉर्ट करने वाली स्कॉर्पियो या अन्य वाहन डंपरों को बचाने में मदद करते हैं। कई बार पीछा किए जाने पर डंपर चालक सड़क पर बजरी खाली कर फरार हो जाते हैं, जिससे पीछा कर रही पुलिस या खनन विभाग की टीम उन्हें पकड़ने में नाकाम हो जाती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध बजरी परिवहन पर सख्ती से रोक लगाई जाए, ताकि इस तरह के हादसों को रोका जा सके और शहर की सड़कों पर आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

पांडवों की स्थली बनेगी एग्रो फोरेस्ट का रॉल मॉडल : रावत

बांसवाड़ा, (निसं)। पांडवों की स्थली रही घोटिया आंबा धाम वागड़ के प्राचीनतम स्थलों में से एक प्रमुख धार्मिक स्थल है और शीघ्र ही यह स्थल एङ्गो फोरेस्ट का रोल मॉडल बनने जा रहा है। पूर्व राज्यमंत्री धनसिंह रावत ने इस दिशा में होने वाले कार्यों का अवलोकन करते हुए विशेषज्ञों से चर्चा की। घोटिया आंबा धाम पहुंचने के प्राचीन मार्ग का अवलोकन करते हुए रावत ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जो स्थापित किया था उसका संरक्षण करते हुए सुधारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं ताकि देश और दुनिया के प्रकृति प्रेमी यहां आकर न केवल आस्था स्थली के दर्शन कर सके वरन् खुद को प्रकृति के उपहारों से लाभान्वित भी कर सके। उन्होंने बताया कि 17 से 21 तक यहां विशाल मेला लगेगा जिसमें राज्य के अलावा गुजरात और मध्यप्रदेश के श्रद्धालु भी बडी संख्या में सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि नई पीढ़ ी इस स्थान के महत्व को जाने और पूर्वजों द्वारा विकसित किये गये स्थलों को सजाएं और सवारें। उन्होंने बताया कि जिला परिषद् ने इसके विकास के लिये 30 लाख रूपये का बजट दिया है जिससे इस ऐतिहासिक स्थल पर पीकोक गार्डन और एनीकट बनाया जायेगा ताकि बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आये और स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिल सके। उन्होंने बताया कि इन सभी कार्यों में वृक्षों का विशेष ध्यान रखा जायेगा ताकि उन्हें कोई नुकसान न पहुंचे और भूमि का कटाव भी न हो। उन्होंने बताया कि यहां पर 36 जातियों के कुंड है और ख्यात गौ मुख भी है जिसका जीर्णोद्धार किया जायेगा। उन्होंने बताया कि हालही में उन्होंने देहरादून में फोरेस्ट इंस्टीटय्यूशन संस्थान का अवलोकन किया था वहां बड़े-बड़े पेड़ है और वन औषधियां भी है। उसी से प्रेरणा लेकर यहां जड़ीबूटी लाकर उनका उत्पादन किया जायेगा ताकि देहरादून फोरेस्ट की तर्ज पर यह स्थान भी प्रकृति से आच्छादित हो सके। उन्होंने बताया कि इसके लिये वन विभाग के अधिकारियों से भी चर्चा की जा रही है और उन्हें भी प्रशिक्षण के लिये देहरादून भेजने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह स्थली एग्रो फोरेस्ट के रॉल मॉडल के रूप में स्थापित हो और यहां जड़ी-बूटी का उत्पादन भी हो जिससे लोगों को रोजगार भी मिले और नई पीढी अपनी परम्पराओं को जीवित रखते हुए आस्था के साथ ही अपने स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक हो सके। इस अवसर पर मंदिर के महंत रामगिरि महाराज ने कहा कि इस पावन धरा पर अब खुशहाली की महक अनुभव की जा सकती है। उन्होंने कहा कि रावत के प्रयास से यहां का सौन्दर्य अद्भूत होगा और पूरा नजारा आंखों को भायेगा। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा भी होगी और जलस्तर बढ़ ने से कृषकों को फायदा भी होगा। उन्होंने बताया कि यहां तालाब बनने से अब धीरे-धीरे हैंडपंपों में पानी की आवक भी होने लगी है। इसी तरह आयुर्वेद विभाग से सेवानिवृत हुए हकर सिंह रावत ने बताया कि यहां अश्वगंधा, शतावरी, मुसली आदि का उत्पादन हो सकेगा जिससे लोगों को रोजगार भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि इन औषधीय पौधों से शक्तिवर्धक पाक भी बनता है जो शरीर को बलिष्ठ बनाता है। इसी तरह रिया दोसी ने बताया कि उन्होंने सांवरिया सेठ और डूंगरपुर के विकास में योगदान दिया था अब उन्हें यहां पर भी कार्य करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जो योजना बनाई जा रही है उससे निश्चित रूप से यहां बड़ी संख्या में देश और दुनिया से प्रकृति प्रेमी आयेंगे जिससे पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी वहीं रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे और प्रकृति का आनंद पर्यटकों की पहली पसंद होता है।

स्वच्छ पानी की देन में प्लंबरों का योगदान

नागौर । जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में विश्व प्लंबिंग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बताया गया कि हर वर्ष 11 मार्च को विश्व प्लंबिंग दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वच्छ पानी, स्वच्छता और प्लंबिंग व्यवस्था के महत्व के प्रति जागरूक करना है, साथ ही यह दिवस विश्व भर में प्लंबरों के योगदान को सम्मान देने के लिए भी मनाया जाता है।

कार्यक्रम के दौरान जलदाय विभाग के जिला आईईसी सलाहकार मोहम्मद शरीफ छीपा ने कहा कि घर, स्कूल, अस्पताल और उद्योग जैसे सभी स्थानों पर स्वच्छ पानी की उपलब्धता और बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था प्लंबरों की मेहनत का ही परिणाम है, उन्होंने बताया कि विश्व प्लंबिंग दिवस पहली बार वर्ष 2010 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया गया था और तब से यह दिन प्लंबिंग क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करने के लिए मनाया जा रहा है। इस अवसर पर विभाग के जिला एचआरडी सलाहकार डॉ. तेजवीर चौधरी ने कहा कि पानी की हर बूंद बचाने के लिए बेहतर और व्यवस्थित प्लंबिंग व्यवस्था बेहद आवश्यक है। जब गंदा पानी सही तरीके से निकासी व्यवस्था के माध्यम से बाहर निकलता है तो उसके पीछे किसी न किसी प्लंबर की मेहनत होती है।

तेज रफ्तार अवैध मालवाहक रिक्शे की टक्कर से दो महिलाएं घायल

बढ़ते मालवाहक रिक्शों से परिवहन विभाग पर उठे सवाल

पावटा । क्षेत्र में अवैध रूप से बाइक में ट्रॉली जोड़कर बनाए गए बिना नंबर के मालवाहक रिक्शों का संचालन लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। बुधवार को एक ऐसे ही तेज रफ्तार अवैध मालवाहक रिक्शे ने पावटा कस्बे में सर्विस रोड पर पैदल जा रही भांकरी निवासी दो महिलाओं सुमन पत्नी सुरेंद्र , सावित्री पत्नी हरिसिंह को टक्कर मार दी, जिससे सुमन देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक के पीछे ट्रॉली जोड़कर बनाए गए इस जुगाड़ू वाहन को चालक तेज गति से चला रहा था। इसी दौरान सड़क किनारे जा रही दो महिलाओं को उसने टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल को अस्पताल पहुंचाया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में ऐसे अवैध जुगाड़ू वाहन चल रहे हैं, जिनमें बाइक के पीछे ट्रॉली या ढांचा जोड़कर माल ढुलाई की जा रही है। ये वाहन न तो परिवहन विभाग में पंजीकृत होते हैं और न ही इनके चालकों के पास उचित लाइसेंस या सुरक्षा इंतजाम होते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद भी इन वाहनों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे हादसों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। लोगों ने परिवहन विभाग और पुलिस प्रशासन से ऐसे अवैध वाहनों पर सख्त कार्रवाई करने तथा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। इस तरह के मोडिफाइड वाहन किसकी अनुमति से क्षेत्र में संचालित हो रहे है। वही जिला परिवहन अधिकारी सुनील सैनी ने बताया कि दुपहिया वाहनों को मोडिफाइड कर अन्य उपयोग में लेना नियम विरुद्ध है।

जल्दी ही अवैध रूप से बाइक में ट्रॉली जोड़कर बनाए गए मालवाहक रिक्शों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। वही प्रागपुरा थानाधिकारी भजनाराम ने बताया कि अवैध रूप से दुपहिया वाहनों का स्वरूप बदलकर सवारी एवं मालवाहक रिक्शे के रूप में उपयोग नियमों के विरुद्ध है। और दुर्घनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इस तरह के मोडिफाइड वाहनों को जप्त कर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस घटना के बाद एक बार फिर परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं कि आखिर बिना अनुमति चल रहे इन जुगाड़ू मालवाहक वाहनों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही।

बिना नंबर के मालवाहक रिक्शों का संचालन लगातार बढ़ने से परेशानी हो रही है।